समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2021–2022

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2021 सत्र – 31 मार्च,2022

जनवरी,2022 सत्र – 30 सितम्बर,2022

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए। सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) ओडीएल को परिभाषित करें। ओडीएल के माध्यम से समाज कार्य शिक्षा में छात्र सहायता सेवाओं के बारे में चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में सामुदायिक कार्य के ऐतिहासिक विकास के बारे में लिखिए तथा समाज कार्य व्यवसाय में सामुदायिक कार्य के स्थान की भी चर्चा कीजिए। 20

2) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य मूल्यों और नैतिकता के बारे में चर्चा करें। 20

अथवा

सामान्यवादी अभ्यास की व्याख्या करें। कारण दीजिए कि यह भारत में क्यों प्रासंगिक है। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य व्यवसाय में वैयक्तिक कार्य के स्थान की विवेचना कीजिए। 10

ख) पेशे की विशेषताएं क्या हैं? इस पर टिप्पणी करें कि क्या सामाजिक कार्य में आपका क्षेत्र पेशे के मानदंडों को पूरा करता है? 10

ग) समाज कल्याण प्रशासन में शामिल विभिन्न मान्यताओं के बारे में लिखें। 10

घ) 'सामाजिक न्याय' शब्द से आप क्या समझते हैं? विस्तार से कहें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) एशियाई देशों में से किसी एक में समाज कार्य के उद्‌भव पर टिप्पणी कीजिए। 5

ख) 'स्वैच्छिक क्रिया' की पाँच विशेषताएँ क्या हैं? 5

ग) समाज कार्य अनुसंधान करते समय नैतिक सुरक्षा उपाय क्या हैं जिनका विचार करने की आवश्यकता है? 5

घ) दो प्राथमिक प्रभावों के नाम लिखिए जो सामाजिक कार्यकर्ताओं को एक पेशेवर पहचान स्थापित करने में संतुलित करना चाहिए। संक्षेप में बताएं कि यह कहने का क्या अर्थ है कि वे पारस्परिक हैं। 5

ङ) अपने शब्दों में समझाएं कि आपके लिए सामाजिक कार्य का क्या अर्थ है। 5

च) वर्तमान सामाजिक–राजनीतिक परिस्थितियों से निपटने में समाज कार्य के तरीके कैसे उपयोगी हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) NASW आचार संहिता के कोई 3 उद्देश्य 4

ख) सामुदायिक कार्य के अनुप्रयोग के कोई 2 क्षेत्र 4

ग) निगमनात्मक अनुसंधान

घ) यूके में समाज कल्याण में कोई 3 महत्वपूर्ण स्थल 4

ङ) वैयक्तिक कार्य का महत्व 4

च) समाज कार्य के लिए चैनल 4

छ) समूह कार्य के लाभों की सूची बनाएं 4

ज) समाज कार्य अनुसंधान 4

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक कार्य में सक्रिय रूप से शामिल किन्हीं 3 प्रमुख गैर सरकारी संगठनों के प्रोफाइल दें। 20

अथवा

हिंदू विचारधारा और सामाजिक कार्य के बीच संबंधों की व्याख्या करें। 20

2) 19 गांधीवादी रचनात्मक कार्यक्रमों की सूची बनाएं और उनमें से प्रत्येक को अपने शब्द में समझाएं । 20

अथवा

समाज कार्य शिक्षा के ऐतिहासिक विकास की विवेचना कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) स्वतंत्रता के दौरान भारत के किन्हीं तीन समाज सुधारकों के बारे में एक संक्षिप्त रूपरेखा लिखिए। 10

ख) सिख धर्म और सामाजिक कार्य के लिए सामान्य अवधारणाओं, मूल्यों और प्रथाओं का संक्षेप में वर्णन करें।10

ग) दक्षिण अफ्रीका में अपने प्रारंभिक चरण में गांधीवादी सामाजिक कार्य की प्रकृति क्या थी? 10

घ) किन्हीं दो पेशेवर सामाजिक कार्य संगठनों की चर्चा कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) ग्रामीण विकास के क्षेत्र में की गई पहलों के बारे में संक्षेप में लिखिए। 5

ख) आधुनिक शिक्षा में ईसाई धर्म का क्या योगदान है? 5

ग) उन मूल्यों की चर्चा कीजिए जिन पर गांधी एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहते थे? 5

घ) व्यावसायिक समाज कार्य में कैरियर की संभावनाओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

ङ) सामाजिक कार्य के दृष्टिकोण से जैन धर्म के महत्व पर चर्चा करें। 5

च) भारत में समाज सुधार आंदोलन के इतिहास में सामाजिक क्रिया किस प्रकार प्रासंगिक है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) राजा राम मोहन राय 4

ख) दस आज्ञाएँ 4

ग) सत्याग्रह 4

घ) सामाजिक नीति 4

ङ) जनजातीय विकास के क्षेत्र में विशेष अधिकारी के कर्तव्य 4

च) स्वास्थ्य देखभाल पर सिख दृष्टिकोण 4

छ) सविनय अवज्ञा 4

ज) स्वदेशी साहित्य 4

समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य अभ्यास के लिए विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या करें। 20

अथवा

भारत में अभ्यास के दौरान समाज कार्य के छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं का वर्णन करें। 20

2) .क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक के कार्यों का विस्तार से वर्णन करें। 20

अथवा

कौशल और ज्ञान के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों पर चर्चा करें जो सूक्ष्म अभ्यास सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य में क्षेत्र कार्य अभ्यास के विभिन्न मॉडलों पर चर्चा करें। 10

ख) समाज कार्य प्रशिक्षण संस्थान के लिए न्यूनतम मानदंड के बारे में लिखें। 10

ग) एजेंसी सेटिंग में एक समाज कार्य पर्यवेक्षक की भूमिका और अपेक्षाओं पर चर्चा करें। 10

घ) बुनियादी संचार और सहायता कौशल क्या हैं? "क्रॉस–कल्चरल हेल्पिंग स्किल" के बारे में विस्तार से बताएं। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) एजेंसी अभ्यास के लिए प्रमुख दिशानिर्देशों पर चर्चा करें। 5

ख) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक के लिए छात्र की अपेक्षाओं को उजागर करें। 5

ग) बाल देखभाल सेटिंग में समाज कार्य अभ्यास का एक सिंहावलोकन दें। 5

घ) प्रभावी रिपोर्ट–लेखन के लिए कुछ बिंदुओं का उल्लेख करें। 5

ङ) कॉर्पोरेट क्षेत्र में समाज कार्य अभ्यास पर टिप्पणी करें। 5

च) इग्नू मॉडल में फील्ड प्रैक्टिकम के घटकों की चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) आचार संहिता 4

ख) अभ्यास में शामिल नैतिक और कानूनी मुद्दे 4

ग) सक्रिय सुनना 4

घ) पर्यवेक्षण में संघर्ष से निपटना 4

ङ) दाता एजेंसियों में क्षेत्र कार्य 4

च) कानून के साथ संघर्ष में किशोर 4

छ) मनो सामाजिक निदान 4

ज) बर्न आउट 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) स्वयं सहायता समूह बनाने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

समूहों के ऐतिहासिक विकास की विवेचना कीजिए। 20

2) समूह नेतृत्व एक कौशल कैसे है? विभिन्न नेतृत्व सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य में सिद्धांतों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक क्रिया समूह में क्या चरण हैं? 10

ख) समूह विकास के चरणों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 10

ग) नेतृत्व के सिद्धांतों की व्याख्या करें। 10

घ) विभिन्न प्रकार के समूहों को सूचीबद्ध करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) भारतीय समाज की उन विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन कीजिए जिन्होंने भारत में सामाजिक समूह कार्य के विकास में योगदान दिया। 5

ख) स्वयं सहायता समूह की विशेषताओं पर चर्चा करें 5

ग) सामाजिक समूह कार्य में समूह निर्माण की प्रक्रिया क्यों महत्वपूर्ण है? 5

घ) सामाजिक समूह कार्य में रिकॉर्डिंग के सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) बाल कल्याण एजेंसियों में समूह कार्य के उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

च) कार्य समूहों की कुछ कमियाँ क्या हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) युवा कल्याण के लिए सामूहिक कार्य 4

ख) समूह कार्य के लाभ 4

ग) सामाजिक समूह कार्य में मूल्य 4

घ) नेतृत्व और निर्णय लेना 4

ङ) जीवन कौशल शिक्षा 4

च) कैम्पिंग और भारतीय युवा संगठन 4

छ) समूह कार्यकर्ता समूह के नेता के रूप में 4

ज) भूमिका विभेद

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समुदाय को अपने शब्दों में परिभाषित करें। एक समुदाय को समझने के लिए समाज कार्य अभ्यासियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले तीन दृष्टिकोणों की संक्षेप में चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में सामुदायिक संगठन के ऐतिहासिक विकास का पता लगाएं। 20

2) ब्रिटो द्वारा दिए गए उप–प्रकारों के साथ सामाजिक क्रिया के मॉडलों को संक्षेप में सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

समाज कल्याण प्रशासन के कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) आपके अनुसार शहरी समुदायों की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? 10

ख) पिंकस और मिनाहन द्वारा एकीकृत सामाजिक कार्य दृष्टिकोण में वर्णित हस्तक्षेप के आठ चरणों को सूचीबद्ध करें। 10

ग) समाज कल्याण संगठन कितने प्रकार के होते हैं? 10

घ) सामुदायिक संगठन के चरणों पर प्रकाश डालिए । 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

ख) जेंडर संवेदनशील सामुदायिक संगठन अभ्यास की व्याख्या करें। 5

ग) भारत में ग्रामीण सामाजिक संरचना की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5

घ) भारत के विशेष संदर्भ में बुजुर्गों के साथ सामाजिक क्रिया के दायरे की संक्षेप में चर्चा करें। 5

ङ) समाज कल्याण प्रशासन की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

च) आदिवासी सामाजिक संरचना में परिवार के अधिकार के महत्व की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामुदायिक विकास 4
ख) सामुदायिक कार्य के हिस्से के रूप में सामाजिक कार्रवाई 4
ग) समाज कार्य में सामुदायिक संगठन 4
घ) सामुदायिक संगठन में मूल्य अभिविन्यास 4
ङ) सामाजिक क्रिया के मूल्य और नैतिकता 4
च) SWOC (ताकत, कमजोरी, अवसर और चुनौतियाँ) विश्लेषण 4
छ) सामाजिक अंकेक्षण 4
ज) क्षमता निर्माण 4